गुरु पूर्णिमा पर जिले में गूंजी गुरु महिमा

- स्कूल कॉलेज से लेकर मंदिरों तक में हुए कार्यक्रम
- भारतीय ज्ञान परंपरा पर हुए प्रेरक विचार

नवभारत न्यूज़

नर्मदापुरम, 29 जुलाई. गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर शा. गृहविज्ञान महाविद्यालय में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. प्राचार्या डॉ. संगीता अहिरवार के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में गुरु-शिष्य परंपरा, भारतीय ज्ञान परंपरा और गुरु के महत्व पर विद्वानों ने प्रेरक उद्बोधन दिए. कार्यक्रम में छात्राओं ने गुरुजनों का सम्मान कर गुरु पूर्णिमा को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया.

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती पूजन, दीप प्रज्ज्वलन एवं गुरु सांदीपनि के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ. इस अवसर पर सभी गुरुजनों का तिलक लगाकर सम्मान किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. किरण पगारे, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. भारती दुबे, डॉ. पुष्पा दुबे, डॉ. श्रुति गोखले, एनएसएस जिला समन्वयक डॉ. हर्षा चचाने, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रभारी आर के चौकीकर एवं डॉ. जी सी पांडेय विशेष रूप से उपस्थित रहे.

स्वागत उद्बोधन में डॉ. भारती दुबे ने कहा कि किसी भी गुरु के लिए उसके विद्यार्थी की उपलब्धि ही सबसे बड़ा सम्मान और उपहार होती है. गुरु का स्थान जीवन में सर्वोच्च है और उसकी महत्ता को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता.

मुख्य अतिथि डॉ. किरण पगारे ने कहा कि भारत की गुरु-शिष्य परंपरा अत्यंत प्राचीन और गौरवशाली रही है. गुरु पूर्णिमा महर्षि वेदव्यास के जन्मोत्सव के रूप में मनाई जाती है. उन्होंने बताया कि गुरु वह होता है जो अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है. उन्होंने छात्राओं से शिक्षा को व्यवहारिक जीवन में अपनाने और उसे अपने आचरण का हिस्सा बनाने का आह्वान किया. डॉ. पुष्पा दुबे ने भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्राचीन ज्ञान और परंपराओं का अनुसंधान वर्तमान पीढ़ी को नई दिशा दे सकता है.उन्होंने द्रष्टा, आचार्य, उपाध्याय, गुरु और शिक्षक परंपरा के महत्व को विस्तार से समझाया. वहीं डॉ. नारायण उपरानिया ने भी गुरु की महत्ता पर अपने विचार व्यक्त किए.

गुरु के प्रति श्रद्धा और सम्मान से सफल जीवन : आशीष

नर्मदापुरम. ईशान परिसर स्थित द चैम्प्स फन स्कूल में बुधवार को आदि गुरु महर्षि वेदव्यास जयंती के अवसर पर गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, सम्मान और उल्लास के साथ मनाया गया. इस अवसर पर विद्यालय में गुरु-शिष्य परंपरा, भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए.कार्यक्रम में विद्यालय की डायरेक्टर जूही चटर्जी, प्राचार्य डॉ. आशीष चटर्जी, उप प्राचार्य काकोली रॉय चौहान, स्कूल कोऑर्डिनेटर रीना मालवीय तथा एडमिन ऑफिसर विनीता जसलानी विशेष रूप से उपस्थित रहीं. कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना से हुआ. इसके बाद शिक्षिका स्वाति कहार ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु केवल शिक्षा देने वाले शिक्षक नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक होते हैं. उन्होंने विद्यार्थियों से अपने गुरुजनों के प्रति सदैव सम्मान, श्रद्धा और कृतज्ञता का भाव बनाए रखने का आह्वान किया. प्राचार्य डॉ. आशीष चटर्जी ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि अज्ञान से प्रकाश की ओर ले जाने वाले गुरु के प्रति असीम श्रद्धा रखने से शिष्य का जीवन सफल होता है. उन्होंने बताया कि गुरु पूर्णिमा आदि गुरु महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में मनाई जाती है. गुरु ही वह प्रकाश हैं, जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का मार्ग प्रशस्त करते हैं.

सिद्धाश्रम रहटगांव में मना गुरु पूर्णिमा पर्व

हरदा . गुरु पूर्णिमा का पर्व जिले में बड़े ही भक्ति भाव के साथ मनाया गया. सिद्धाश्रम रहटगांव में परम पूज्य गुरुदेव राजेश बिल्लौरे के सानिध्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया. मंगलवार को गुरु पूर्णिमा पर्व की पूर्व संध्या पर भजन कीर्तन का आयोजन हुआ. देर रात तक चली भजन संध्या में वातावरण को भक्तिमय कर दिया. बुधवार को सुबह 7.30 बजे बड़े गुरु का आह्वान किया गया 7 सुबह 7.40 बजे गुरु पादुका का जल एवं दुग्ध से श्रद्धालुओं ने अभिषेक किया. अभिषेक के बाद सभी गुरु भक्तों ने पादुका पूजन किया . वहीं 9.00 बजे सामूहिक गुरू मंत्र किया उसके बाद हवन हुआ. 11.00 बजे महाआरती की गई तपश्चात दोपहर 12.00 बजे महाप्रसाद का वितरण किया गया.

सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में भाजपा ने सौंपा ज्ञापन

एफआईआर दर्ज करने की मांग

नव भारत न्यूज

सिवनी मालवा 29 जुलाई. नर्मदापुरम-नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी के विरुद्ध सोशल मीडिया पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में सिवनी मालवा में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और वैधानिक कार्रवाई की मांग की.

भाजपा कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन में कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान सर्वोपरि है, लेकिन इस अधिकार का दुरुपयोग करते हुए किसी भी जनप्रतिनिधि अथवा व्यक्ति के विरुद्ध अभद्र, अपमानजनक या कानून-विरुद्ध टिप्पणी करना स्वीकार्य नहीं है. संगठन ने ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता जताई.

ज्ञापन के अनुसार फेसबुक पर 'शैलेन्द्र सिंह राजपूत' नाम की आईडी से सांसद दर्शन सिंह चौधरी के संबंध में कथित रूप से अशोभनीय एवं आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है. भाजपा का आरोप है कि उक्त टिप्पणी में सांसद के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया गया, जिससे उनकी गरिमा को ठेस पहुंची है. साथ ही संगठन का कहना है कि इस प्रकार की टिप्पणियों से समाज के अनेक लोगों की सामाजिक एवं धार्मिक भावनाएं भी आहत हुई हैं तथा सामाजिक सौहार्द एवं कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है.

भाजपा नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में विचारों का मतभेद स्वाभाविक है और प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है, लेकिन किसी भी व्यक्ति या जनप्रतिनिधि के विरुद्ध अशोभनीय एवं कानून-विरुद्ध भाषा का प्रयोग लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप नहीं है. उन्होंने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर तथ्यों के आधार पर दोषी के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की, ताकि सामाजिक सौहार्द एवं कानून-व्यवस्था बनी रहे.

प्रशासन से न्याय की मांग

भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष नीरज तिवारी ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 353(1), 353(2) सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाए. ज्ञापन के साथ कथित आपत्तिजनक फेसबुक पोस्ट का स्क्रीनशॉट भी संलग्न किया गया.

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर रेलवे अस्पताल में जागरुकता कार्यक्रम

पिपरिया. विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर रेलवे अस्पताल में कॉलोनीवासियों और यात्रियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस दौरान रेलवे अस्पताल के डॉ. आर.आर. कुर्रे ने हेपेटाइटिस-बी के टीके की खोज और इस बीमारी से बचाव के उपायों की जानकारी दी. उन्होंने हेपेटाइटिस के विभिन्न प्रकार—ए, बी, सी, डी और ई—के बारे में विस्तार से बताते हुए इसके गंभीर दुष्परिणाम, विशेषकर लीवर कैंसर के खतरे से भी अवगत कराया. कार्यक्रम में हेपेटाइटिस के प्रमुख लक्षण, बचाव के उपाय और संक्रमण की स्थिति में तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लेकर नियमित दवा लेने की सलाह दी गई. उपस्थित लोगों से समय पर जांच और जागरूक रहकर इस बीमारी से बचाव करने का आह्वान किया गया.

एक नजर में

शिक्षकों का सम्मान और विद्यार्थियों को पुरस्कार

इटारसी. प्रदेशभर में 15 से 29 जुलाई तक आयोजित गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के समापन अवसर पर शासकीय सांदीपनी विद्यालय, सुखतवा में गुरु-शिष्य परंपरा को समर्पित कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस दौरान विद्यार्थियों ने शिक्षकों को श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया और उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त की. कार्यक्रम में समाजसेवी अजय साहू ने विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं को पौधे भेंट कर सम्मानित करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. पखवाड़े के दौरान योग, ध्यान, गुरु वंदना, करियर मार्गदर्शन, वृक्षारोपण, भाषण, निबंध, स्वच्छता अभियान, जनजागरूकता रैली और गुरु-शिष्य संवाद जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया. समापन समारोह में प्राचार्य प्रदीप सिंह राजपूत सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा. विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया.

कारगिल विजय दिवस पर व्याख्यान संगोष्ठी

पिपरिया. शहीद भगतसिंह पीजी कॉलेज में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर व्याख्यान, संगोष्ठी एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ हुआ. प्राचार्य डॉ. एस.के. मेहरा ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला. मुख्य वक्ता निरंजन वैष्णव और जितेंद्र पूर्विया ने कारगिल युद्ध की भौगोलिक परिस्थितियों, भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस, वीरता और बलिदान पर विस्तार से विचार रखे. वक्ताओं ने बताया कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद भारतीय सेना ने अद्वितीय पराक्रम का परिचय देते हुए विजय हासिल की.कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे. संचालन महेंद्र कुमार चौकसे ने किया, जबकि अंत में प्राचार्य डॉ. एस.के. मेहरा ने सभी का आभार व्यक्त किया.

आंवलीघाट में संगीतमय श्रीराम कथा के पंचम दिवस उमड़ा भक्तिभाव

सिवनी मालवा 29 जुलाई. सिवनी मालवा के प्रसिद्ध मां नर्मदा तट आंवलीघाट में आयोजित संगीतमय श्रीराम कथा के पंचम दिवस श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला.

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर कथा स्थल पर गुरु परंपरा का श्रद्धापूर्वक वंदन किया गया तथा श्रद्धालुओं ने अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान, समर्पण और कृतज्ञता का भाव व्यक्त किया. इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय मानस प्रवक्ता एवं सुप्रसिद्ध कथा वाचिका विदुषी सुश्री अंजली आर्या (करनाल, हरियाणा) का श्रद्धापूर्वक तुलादान कर भव्य सम्मान किया गया. उपस्थित श्रद्धालुओं ने तालियों और जयघोष के साथ उनका अभिनंदन किया.

कथा के दौरान विदुषी सुश्री अंजली आर्या ने अपनी मधुर, ओजस्वी एवं भक्तिरस से ओत-प्रोत वाणी में श्रीराम कथा का रसपान कराते हुए धर्म, मर्यादा, सेवा, संस्कार और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया. उन्होंने मां नर्मदा की महिमा का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि नर्मदा केवल एक नदी नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति और आस्था की जीवनधारा है. उनके प्रेरणादायी प्रवचनों और संगीतमय प्रस्तुति ने संपूर्ण वातावरण को राममय और भक्तिमय बना दिया. पंचम दिवस की कथा में क्षेत्र सहित दूर-दराज़ से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और श्रीराम कथा का श्रवण कर आध्यात्मिक आनंद एवं भक्ति रस का लाभ प्राप्त किया. आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए समुचित व्यवस्थाएं भी की गई थीं.

52 वर्ष तक के उच्च माध्यमिक शिक्षक कर सकेंगे आवेदन

नवभारत न्यूज़

नर्मदापुरम. राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशानुसार जिले में विकासखण्ड अकादमिक समन्वयक (बी.ए.सी.) के 16 एवं जनशिक्षक (सी.ए.सी.) के 22 कुल 38 रिक्त पदों की पूर्ति की प्रक्रिया शुरू हो गई है.

जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र नर्मदापुरम राजेश कुमार जायसवाल ने बताया कि पात्र अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 06 अगस्त 2026 को दोपहर 12 बजे से जिला शिक्षा केन्द्र, नर्मदापुरम में आयोजित की जाएगी. चयनित अभ्यर्थियों को इसी दिन लिखित सहमति एवं आवेदन प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा. अकादमिक समन्वयक एवं जनशिक्षक पदों के लिए अभ्यर्थी को उच्च श्रेणी शिक्षक-माध्यमिक शिक्षक, 1 जनवरी की स्थिति में अधिकतम 52 वर्ष से अधिक न हो, अभ्यर्थी के विरुद्ध कोई विभागीय जांच, आपराधिक प्रकरण अथवा लंबे समय से लगातार अनुपस्थिति की शिकायत लंबित न हो एवं प्रतिनियुक्ति अवधि जनजातीय कार्य विभाग के शासन द्वारा प्रचलित नियमानुसार मान्य होगी.

14 ब्रह्मचारियों का यज्ञोपवीत संस्कार

इटारसी. गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर जमानी स्थित महर्षि दयानंद गुरुकुल आश्रम में वैदिक परंपरा के अनुसार गुरु पूर्णिमा उत्सव एवं व्रत यज्ञ का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया. इस दौरान 14 नवीन ब्रह्मचारियों का यज्ञोपवीत (जनेऊ) संस्कार संपन्न कर उन्हें शिक्षा एवं संस्कार के मार्ग पर दीक्षित किया गया. समारोह में वैदिक विद्वानों और अतिथियों ने यज्ञोपवीत के धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए ब्रह्मचारियों को इसके नियमों एवं अनुशासन की जानकारी दी. वक्ताओं ने बताया कि प्राचीन गुरुकुल परंपरा में गुरु पूर्णिमा के दिन विद्यार्थियों को यज्ञोपवीत धारण कराकर विधिवत शिक्षा का शुभारंभ कराया जाता था.

किसान क्रांति यात्रा के चलते प्रशासन अलर्ट

नवभारत न्यूज़

नर्मदापुरम. मध्यप्रदेश में मूंग की 100 प्रतिशत सरकारी खरीदी और खाद वितरण व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा की किसान क्रांति पैदल यात्रा के चलते नर्मदापुरम जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है.

यात्रा के तीसरे दिन नर्मदापुरम संभाग से कोई नया किसान भोपाल के लिए रवाना नहीं हो, इसको लेकर प्रशासन ने एहतियात के तौर पर भोपाल मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी है. भोपाल तिराहे और नर्मदा ब्रिज से पहले दोबारा बैरिकेडिंग कर दी गई है.भोपाल जाने वाली टू-लेन सड़क की एक लेन को ट्रक और बैरिकेड लगाकर पूरी तरह बंद कर दिया गया है, जबकि दूसरी लेन से यातायात जारी है. यहां तैनात पुलिस बल भोपाल की ओर जाने वाले प्रत्येक वाहन की सघन जांच कर रहा है. पुलिस द्वारा वाहन चालकों से पूछताछ के साथ वाहनों के नंबर भी लिखें जा रहे हैं, ताकि किसान आंदोलन के मद्देनजर किसी भी स्थिति पर नजर रखी जा सके.

बेरीकेट व सड़क पर जेसीबी-डंपर खड़े किए

नर्मदापुरम में बुदनी से भोपाल जाने वाले मार्ग पर नर्मदा ब्रिज से पहले बैरिकेडिंग पुन: की गई है. बैरिकेडिंग के बाद बीच सड़क पर डंपर और जेसीबी भी खड़े किए गए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर रास्ता रोका जा सके. मंगलवार रात से ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर तैनात हैं. एसपी साईं कृष्णा ने भोपाल तिराहे से लेकर नर्मदापुरम का निरिक्षण बुधवार को किया.

ठगी वीडियो कॉल और यू एपीके फाइल से साइबर ठगी

महिला से 2.13 लाख ठगे, पुणे से आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

नर्मदापुरम, 29 जुलाई. जिले में साइबर ठग लगातार नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को निशाना बना रहे हैं. एक ओर वीडियो कॉल के जरिए महिला को लोन दिलाने का झांसा देकर 2.13 लाख की ठगी की गई.

वहीं दूसरी ओर कोतवाली पुलिस और साइबर सेल ने एपीके फाइल भेजकर 1.45 लाख की ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले अंतरराज्यीय आरोपी को महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया है. इसके अलावा माखन नगर थाना क्षेत्र में भी एक युवक के खाते से 25 हजार की साइबर ठगी का मामला सामने आया है. देहात थाना पुलिस के अनुसार, कैंपियन स्कूल के पास रहने वाली सीमा के मोबाइल पर एक वीडियो कॉल आया. कॉल के दौरान स्क्रीन पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय थालपति की तस्वीर दिखाई गई, जिससे महिला को कॉल विश्वसनीय लगी.

ठगों ने पांच लाख रुपये का लोन दिलाने का झांसा देकर प्रोसेसिंग फीस और अन्य औपचारिकताओं के नाम पर अलग-अलग किश्तों में 2.13 लाख अपने खातों में जमा करा लिए. लोन की राशि नहीं मिलने और संपर्क टूटने पर महिला ने 24 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी.

उधर, कोतवाली पुलिस और साइबर सेल ने दिसंबर 2025 में हुई 1.45 लाख की ऑनलाइन ठगी के मामले में कार्रवाई करते हुए झारखंड निवासी और वर्तमान में पुणे में रह रहे मुकेश कुमार ठाकुर (24) को गिरफ्तार किया. आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने पीड़ित को एक फाइल भेजकर मोबाइल का रिमोट एक्सेस हासिल किया और बैंक खाते से रकम अपने खाते में ट्रांसफर कर ली. पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मोबाइल और धोखाधड़ी से संबंधित राशि भी बरामद कर न्यायालय में पेश किया है.

जीनियस प्लानेट में स्टूडेंट कैबिनेट का गठन

- पद एवं गोपनीयता की दिलाई शपथ
- हर्ष नितिन को हेडबॉय और आंशी हो हेड गर्ल बनाया

इटारसी. जीनियस प्लानेट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्टूडेंट कैबिनेट का गठन किया गया. शपथ ग्रहण समारोह में मध्यप्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहायक संचालक विकास खरदकार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए.

कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण समन्वयक महेंद्र पचलानिया, स्कूल संचालक जाफर सिद्दीकी, मनीता सिद्दीकी एवं प्राचार्य ममता छिकारा भी उपस्थित रहीं.

स्टूडेंट कैबिनेट में हर्ष नितिन यादव को हेड बॉय और आंशी दुबे को हेड गर्ल बनाया गया. वहीं आयुष वर्मा, हर्ष मालवीय, गीत मालवीय, अरमान सिद्दीकी और आसी सेन को विभिन्न कैप्टन की जिम्मेदारी सौंपी गई. चारों हाउस के कैप्टन, वाइस कैप्टन और हाउस इंचार्ज शिक्षकों की भी घोषणा की गई. दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना से शुरू हुए समारोह में चयनित विद्यार्थियों को बैज, सैश और ध्वज प्रदान किए गए. मुख्य अतिथि ने अनुशासन, नेतृत्व और खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को वास्तविक खेलों से जुड़ने की प्रेरणा दी. संस्था संचालक जाफर सिद्दीकी और मनीता सिद्दीकी ने नवचयनित पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां ईमानदारी से निभाने का संदेश दिया.